उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी जानकारी में ला दूं कि दिल्ली से जम्मू आठ-दस यात्री जाते हैं। चण्डीगढ़ से जम्मू दो से तीन यात्री जाते हैं। जम्मू से श्रीनगर में 35 से 40 यात्री जाते हैं। इस समय दो छोटे विमान इस रूट पर चल रहे हैं—एक तो दिल्ली से चलता है जो चण्डीगढ़, जम्मू और श्रीनगर जाता है और दूसरा जम्मू से श्रीनगर के बीच चलता है। जम्मू से श्रीनगर के बीच तो ट्रैफिक है लेकिन दिल्ली से जो जम्मू जाता है उसमें बहुत कम ट्रैफिक है। इसलिए जम्मू के हवाई अड्डे के विस्तार के बारे में यह निर्णय लिया गया। (व्यवधान) . . यह रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है।

श्री मोहम्मद शफी कुरेशी : रायपुर के लिए कितना ट्रैफिक चलता है? (व्यवधान) डा० कर्ण सिंह ने अपने घर के लिए तो कुछ नहीं किया, आपने तो अभी से कर लिया, छः महीने अभी आए हुए नहीं हुए।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : उस मार्ग पर अभी जांच चल रही है। उस पर 27 लाख 23 हजार रुपये का घाटा होता है। अगर बोइंग चलायेंगे तो यह घाटा बढ़ कर 1 करोड़, 65 लाख, 45 हजार रुपये हो जाएगा। ऐसी स्थिति में मैं नहीं समझता कि यह योजना तत्काल लागू की जा सकती है।

SHORT NOTICE QUESTION

सैनिक बेतन तथा लेखा कार्यालय को मथुरा से नासिक रोड ले जाया जाना

S.N.Q. 19. **श्री रमापति सिंह :**
श्री मनी राम बागड़ी :
श्री रामजीलाल सुमन :
श्री शम्भूनाथ चतुर्वेदी :

क्या वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार सैनिक वेतन तथा लेखा कार्यालय को, जो गत 40 वर्ष से मथुरा में कार्य कर रहा है, नासिक रोड़ ले जाने का है ;

(ख) उक्त कार्यालय में कितने कर्मचारी कार्य कर रहे हैं और नासिक रोड़ में उनको आवास सुविधाएं प्रदान करने के लिए क्या प्रबन्ध किए गए हैं ; और

(ग) उक्त कार्यालय को मथुरा से नासिक रोड़ ले जाने पर कितना खर्च आने की सम्भावना है।

THE MINISTER OF FINANCE AND REVENUE AND BANKING (SHRI H. M. PATEL): (a) Yes, Sir.

(b) 717 as on 1-7-1977. Housing for employees is being arranged by purchase of residential quarters under construction by the City & Industrial Development Corporation of Maharashtra (CIDCO) under the New Nasik Housing Scheme.

(c) The expenditure on the shifting of office records, furniture and payment of TA/DA and other concessions to staff is estimated at Rs. 17 lakhs.

The expenditure likely to be incurred on office and residential accommodation for the staff is estimated at about Rs. 50 lakhs and Rs. 129 lakhs respectively.

श्री रमापति सिंह : इस आफिस में जो कर्मचारी काम कर रहे हैं, उनकी भाषा क्या है?

SHRI H. M. PATEL: Bulk of them, say, about 600 are from UP and about 300 are from Mathura.

श्री रमापति सिंह : मैंने यह पूछा था कि इस आफिस में काम करने वाले कर्मचारियों की मातृभाषा क्या है? मथुरा में आफिस रहने से इनके बच्चों को यहां शिक्षा की सुविधाएं थीं। अब जब यह आफिस वहां भेजा जा रहा है तो इन कर्मचारियों के परिवार जिन सुविधाओं से वंचित हो जाएंगे, क्या सरकार उनके लिए कोई व्यवस्था कर रही है?

इस वित्तीय संकट के समय में सरकार के लिए इतना रुपया खर्च करना उचित है ?

SHRI H. M. PATEL: Arrangements will be made in Nasik for the education of their children. The amount of expenditure is justifiable because it is necessary for the Pay Accounts office to move there. There is the regiment or depot concerned and along with it there is the record office and with the record office there is the pay accounts office. They constitute the unit and they have to be at one place. The decision to shift to Nasik Road was taken as long ago as in 1957. Because of difficulty of accommodation etc. effect was given to the movement of the artillery depot regiment and artillery record office only in 1966. At that time the Pay Accounts Office was also to move along with them but the accommodation earmarked for them was taken up by some other office. Therefore it was decided to construct a building for them and till then Pay Accounts Office was to remain at Mathura. For financial constraints and other reasons construction was delayed. Now at last the decision was taken to entrust the work to the construction corporation of Maharashtra Government. As soon as it is ready the Pay Accounts Office should move there. The decision to move the Pay Accounts Office was taken last year.

श्री मनी राम बागड़ी : मथुरा वह क्षेत्र है जिस में कृष्ण ने जेल में जन्म लिया था और कृष्ण ही कंस के वध का कारण बने थे। इसी तरीके से जनता पार्टी ने यहां जेल में जन्म लिया और उनका वध किया। सब से पहले जनता पार्टी का परिणाम मथुरा से आया। सत्य और अहिंसा का वह प्रतीक है, असत्य पर सत्य की विजय का वह प्रतीक है। मथुरा भारत के एक प्रदेश का वह अंग है जो भारत का प्रतीक है। मथुरा का दोष यह है कि जनता पार्टी का जन्म वहां जेल में हुआ है, उसका दोष यह है कि सब सीटें जनता पार्टी को दीं, उसने श्री मोरार जी देसाई को प्रधान मंत्री बनाया, उसका दोष यह है कि नाना जी देशमुख और श्री अटल बिहारी वाजपेयी को उसने इमरजेंसी के दौरान शरण दी। मथुरा में राधा और कृष्ण के नाम की एक फैक्ट्री चलती है वर्ना सब मथुरा को उजाड़ने में लगे हुए हैं। पटेल साहब को पता ही नहीं है। आठ सौ आदिमियों को उजाड़ा जा रहा है। जो रिकार्ड आफिस है वह यहां आराम से आ सकता है उस पर सिर्फ दो लाख रुपए का खर्चा है और इसके जाने पर चार करोड़ का खर्चा होगा। सारे उत्तर प्रदेश में सबसे पहले केन्द्र के दफ्तर मथुरा और मेरठ वगैरह में थे। उनको धीरे धीरे हटा लिया गया है। पहले वहां से और भी दफ्तर हटाए गए हैं। अब यह मथुरा से तीसरा दफ्तर हटाया जा रहा है। जो तथ्य हैं, उनको सत्य से दूर किया जा रहा है। रिकार्ड आफिस पहसे यहां था। और फ़ौज का आफ़िस कभी भी नहीं था ? मंत्री जी ने सही बात नहीं कही। मैं प्रधान मंत्री जी के आदेश के मुताबिक और अपनी आदत के ख़िलाफ कभी सदन में नहीं बोला, चाहे कुछ भी हुआ हो, मैं बर्दास्त करता रहा हूं। लेकिन आखिर मैं भेड़ बकरी तो नहीं हूं, वहां का प्रतिनिधि हूं। मुझे शर्म आती है हम सब उस जेल के और कृष्ण के प्रतीक हो कर मथुरा को कंशवाशी बनकर अब उजाड़ रहे हैं। यह फ़ैसला था कांग्रेस सरकार का। मुझे अफ़सोस है कि माननीय मोरार जी, माननीय अटल बिहारी वाजपेयी, माननीय चरण सिंह, और माननीय राज नारायण जैसे व्यक्ति जो भगवान के भक्त हों, भारतीय संस्कृति और सभ्यता के प्रतीक हैं, वह चुप कैसे हैं। पटेल साहब से मेरी नाराजगी नहीं है क्योंकि इनको तो इसका ज्ञान ही नहीं है।

आर्मी हैडक्वार्टर के मथुरा आफिस से अन्य आफ़िसों के मुकाबले बहुत कम शिकायतें हैं। इसका प्रमाण इस आफिस को लगातार कई सालों से मिले हुए प्रशंसापत्र से है।

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): You laboured so much about Mathura. You put your question first. Mathura has a certain importance because of Lord Krishna. Also Mathura has the distinctive honour of driving away Lord Krishna from Mathura to Dwarka!

श्री मनी राम बागडी : यह सही बात है कि मथुरा से द्वारका गए थे कृष्ण । लेकिन मथुरा को उजाड़ने के लिए नहीं, बल्कि संसार में सम्मानित करने के लिए । और आप मथुरा को उजाड़ने की बात कर रहे हैं । यह कंशवंशी बात है

मेरा प्रश्न यह है कि मथुरा से इस दफ्तर को न हटा कर के क्या सरकार और मोरार जी भाई विश्वास दिलायेंगे कि जो रेकार्ड आफ़िस है उसको वापस मथुरा में लाया जाएगा ताकि मथुरा के महत्व को बढ़ाया जाय ?

SHRI H. M. PATEL: Sir, the hon. Member raised a question of bringing the Record Office back to Mathura. The Record Office can be brought back of course to Mathura. But, then, that would also mean that we shall have to bring back the Army Regiment which is there now.

श्री मनी राम बागडी : पहले रेजीमेंट नहीं था वहां पर ।

SHRI H. M. PATEL: The hon. Member says that it was not so. But my information from the records of the Army Headquarters is that regiment was there and, therefore, I cannot say anything more than that.

Now, the hon. Member's question is to bring back the Record Office to Mathura. Assuming that we decide that it is a practical policy to bring back the Record Office to Mathura, the cost would be much more than the cost of shifting of Pay Accounts Office to Nasik Road. Apart from the fact that the main purpose would not be served, the difficulty of the Army Headquarters will remain there. So, the shifting of the Record Office from Nasik Road to Mathura is entirely out of the question. From their point of view, it is most desirable that the Pay Accounts. Office move to Nasik Road as early as possible.

But, as I said, half the people or less than half of them would move not immediately but in the middle of next year and the rest of them would move in the year after, that is, in 1979.

श्री मनी राम बागडी : मेरे पूरे सवाल का जवाब नहीं आया । मैंने यह कहा था कि क्या सरकार विचार कर रही है । सरकार से बात की गई है इस मामले में, प्रधान मंत्री जी, चरण सिंह जी इन से बात की गई है । मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह कैबिनेट डेसिशन है ? पहले कैबिनेट डेसीशन नहीं लिया गया था । क्या अब इस के ऊपर कैबिनेट डेसीशन लिया जाएगा ? क्या मोरार जी भाई इस को दोबारा री-कंसीडर करेंगे । मथुरा कृष्ण की जन्मभूमि है, यह मामूली सवाल नहीं है ।

श्री मोरार जी देसाई : मैं उन को कहना चाहता हूं, क्यों कि वह हिन्दी में समझना चाहते हैं तो मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि हर एक सवाल कैबिनेट में नहीं लिया जाता । क्योंकि सम्मानित सदस्य मथुरा से आते हैं इसीलिए मथुरा का इम्पार्टेंस उन के लिए हिन्दुस्तान में सब से ज्यादा है, यह मैं समझ सकता हूं . . .

श्री मनी राम बागडी : आप ने मुझे भेजा था ।

श्रीमोरार जी देसाई : मैंने आप को वहां भेजा जरूर मगर क्या इसलिए कि मथुरा को ऐसा चढ़ा दें कि वह आकाश पर चढ़ जाय ।

सवाल यह नहीं है। सवाल यह है कि प्रबन्ध करना है तो यह ठीक है या नहीं, सब के हित में है या नहीं, यह देखना होता है। और मैं इतना उनको विश्वास दिलाता हूं कि मैं जरूर इसको देख लूंगा।

श्री रामजी लाल सुमन : यह एक महत्वपूर्ण सवाल है और न सिर्फ उन आठ सौ लोगों बल्कि उन आठ सौ परिवारों से सम्बन्धित लोगों के सामने यह समस्या उपस्थित है। मैं मंत्री जी के सामने कुछ तथ्य रखना चाहूंगा, फिर सवाल पूछूंगा।

सी डी ए के सबसे बड़े अधिकारी मिस्टर धीर हैं। मुझे लगता है कि वित्त मंत्री जी सी डी ए के कहने पर ही काम कर रहे हैं। मैं मानता हूं कि सी डी ए ने कभी रेकमेंड किया होगा लेकिन 15-6-77 को सी डी ए और वहां के प्रतिनिधियों के बीच जो वार्ता हुई है उस में सी डी ए खुद ही मानते हैं कि मथुरा का पे ऐंड एकाउन्टस आफिस किसी कीमत पर नहीं बदलना चाहिए। यह तथ्य मेरे पास है और मैं आपके सामने पढ़कर सुनाना चाहता हूं।

"The CDA and the Joint CDA gave patient hearing to the staff representatives and felt that the feelings of the staff on the points mentioned at para 4 above were genuine."

इसका मतलब यह है कि जो आदेश दिया गया उस आदेश को वे सही नहीं मानते हैं और वे यह खुद मानते हैं कि मथुरा का जो पे ऐंड एकाउंट्स आफिस है वह मथुरा में ही रहना चाहिए।

जहां तक दफ्तर बदलने का सवाल है विगत दिनों में आपात काल के दौरान क्षेत्रीयवाद को बढ़ावा मिला है और मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि नार्थ इंडिया के दस आफिसेज को बदला गया है जिसमें पी सी टी सी का आफिस अलवर से बंगलौर ले जाया गया है और इसी तरह से और दफ्तरों को भी बदला गया है। मेरा मतलब है कि आपात काल के दिनों में क्षेत्रीयवाद को प्रोत्साहन दिया गया है।

एक बात मैं आपसे अर्ज करूंगा कि धीर साहब खुद मानते हैं कि इस आफिस को बदलना ठीक नहीं है और वित्त मंत्री जी को मालूम होना चाहिए कि ए आर सी टी का पे ऐंड एकाउंटस आफिस पूना में है जब कि उसका रेकार्ड आफिस औरंगाबाद में है। इसलिए मेरा कहना यह है कि दोनों आफिस एक साथ रह सकते हैं। वहां बदलने पर जो लोग यहां से जायेंगे उन के बच्चों के लिए शिक्षा का माध्यम वहां मराठी होने से कठिनाई पड़ेगी।.....(व्यवधान)....

मैं सवाल यह पूछना चाहता हूं कि इसके स्टाफ में 400 लोगों की कमी हैं लेकिन उस कमी के बाद भी इन का कार्य संतोषजनक है तो क्यों इन को वहां से बदला जा रहा है?

SHRI K. S. CHAVDA: Sir, I rise on a point of order. According to the rules a question is not admitted if it exceeds 150 words. How is it that the Chair is allowing supplementaries arising out of the question which contains more than 150 words?

MR. DEPUTY SPEAKER: There is no point of order but I hope the hon'ble Member will follow what you have said. The Members can have restraint.

SHRI H. M. PATEL: Sir, the hon'ble Member has said that the Controller of Defence Accounts made a certain statement to the effect that Pay Accounts Office may stay at Mathura. My definite information is that the Controller of Defence Accounts has not said anything of that kind. That is not his view. The view of the Army Headquarters as well as the Defence Accounts is that the Pay Accounts Office should go to Nasik along with the Record Office and the Artillery Centre. That, I think, is all that you want.

SHRI SHAMBHU NATH CHATURVEDI: Is it not a fact that these two offices had been functioning very smoothly since 1946? What is the advantage in having this policy of bringing together both the Pay & Accounts Office and the Record Office at Nasik when there are other Offices which can exist at different places? What is the advantage when this Pay and Accounts Office has won appreciation from the C. G. D. A.? What is the advantage in displacing so many persons which will affect their efficiency and work because of lack of facilities there both for education of their children and for their accommodation.

SHRI H. M. PATEL: The hon. Member has been wrongly informed about the Pay Accounts Offices of other Regiments being separate. Everywhere the Pay Accounts Office is alongside the Record Office as well as the concerned Regiment. So, far as educational facilities, etc. are concerned, as I said already, they will be taken care of when the people move there.

श्री राम अवधेश सिंह : अभी माननीय वित्त मंत्री जी ने कहा कि माननीय सदस्य ने जो पढ़कर सुनाया कि वहां के कंट्रोलर आफ डिफेन्स एकाउंट्स और ज्वाइंट कंट्रोलर आफ डिफेन्स एकाउन्ट्स की यह राय है तो उस राय के खिलाफ उन्होंने कहा कि मैं डेफिनिट तौर पर कहता हूं कि यह बात नहीं है । इस प्रकार से उन्होंने माननीय सदस्य को चनौती दी है । मैं चाहूंगा कि माननीय मंत्री जी साबित करें कि किस आधार पर वे यह कह रहे हैं ? इसके लिए उनके पास कोई आधार या सबूत होना चाहिये ।

SHRI H. M. PATEL: I have just now received a note from the Officer who is here, that he denies that he told the staff of P.A.O. that they should stay in Mathura.

डा० कर्ण सिंह : इसमें कोई सन्देह नहीं है कि मथुरा का हमारे देश की संस्कृति में और इतिहास में बड़ा विशेष महत्व है । हमारे देश में ही नहीं सारे संसार में जहां जहां श्रीकृष्ण की प्रतिभा का प्रकाश पहुंचा है वहां मथुरा के प्रति श्रद्धा है । मैं वित्त मंत्री जी से प्रश्न पूछना चाहता हूं कि इस दफ्तर के विषय में तो प्रधान मंत्री जी देख लेंगे लेकिन अगर वहां से कोई दफ्तर जा रहा है तो पर्यटन मंत्री जी यहां बैठे हुये है, क्या वे मथुरा के लिए कोई बड़ी सुन्दर विशाल योजना बनायेंगे ताकि इस देश के लोग ही नहीं बल्कि संसार के लोग मथुरा में जाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें और मथुरा के लोगों को भी लाभ हो सके ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Elimination of Middlemen in Vanaspati Industry

*487. SHRI PRASANNBHAI MEHTA: Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether Government have taken any decision to eliminate the middlemen in the Vanaspati Industry;

(b) whether these middlemen have been indulging in blackmarketing;

(c) if so, when a final decision is likely to be taken in this matter; and

(d) what alternative arrangements are being made in this regard?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): (a) No such decision has been taken by the Government.

(b) There is at present no statutory control on the production, distribution and pricing of vanaspati. The industry has, however, agreed to a voluntary discipline in pricing and distribution and the industry has